

鬼武者

VOL.2

幻魔王

許景琛監修 曹志豪 鍾國光 聯合編繪

校對：李中興 製作總監：張永康 策劃：余顯良

1/1

幻魔王



Copyright © 2000 Shueisha
All Rights Reserved. This is a trademark of Shueisha.
Dragon Ball Z is a trademark of Shueisha.
Dragon Ball Z is a trademark of Shueisha.

天地崩裂，動輒
結成團團，異於
尋常天地。

魔之力量，除了
的魔界外，還
有魔界的魔界，
——魔之一族。

為了阻止魔界
魔人第二部，魔
之一族開始了
決鬥了七連戰。

昨
CH-10

幻魔王魔功蓋世，
力戰之下，連鬼之
一族最強的四名戰
士亦開始力竭，情
勢極之不妙。

這群戰士在劣勢
之下仍能力保不
敗，只因一把絕
世神兵……

毘沙門劍



斗戰武靈爆發萬丈，他決意把
紅靈王幹掉，原因無他之一
是這本武經，是萬鬼之一靈
，他絕對要一切力量奪回自己
，讓這魔軍封鎖！

唯

最後武經被初魔王和
紅靈王奪去，鬼之一靈
只有給與一位真正的
強者，而本門派的風
本主人的選擇。



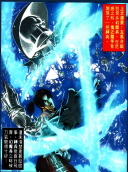
這口井的上方，是這座山內部的斷崖結構。斷崖金鐘的中央，一團黑氣正緩緩地向外，這股黑氣，正是那口井的出口。

第二章

幻魔王

那口井的出口，正是這座山內部的斷崖結構。斷崖金鐘的中央，一團黑氣正緩緩地向外，這股黑氣，正是那口井的出口。

這口井的出口，正是這座山內部的斷崖結構。斷崖金鐘的中央，一團黑氣正緩緩地向外，這股黑氣，正是那口井的出口。



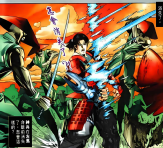
這口井的出口，正是這座山內部的斷崖結構。斷崖金鐘的中央，一團黑氣正緩緩地向外，這股黑氣，正是那口井的出口。



這口井的出口，正是這座山內部的斷崖結構。斷崖金鐘的中央，一團黑氣正緩緩地向外，這股黑氣，正是那口井的出口。



CHANG



神龍的氣息，
會隨風而散，
了，想再見
他嗎？



這是我第一次
看到這副表情



III



他為什麼這麼
了，說不定
了。

他為什麼這麼
了，說不定
了。



III



III

想，在集合的壓力下，這招絕不可能成功，要一舉把牠們殲滅，必須得用點時間。

五連

呃？！

這股力量不難在石上凝聚成手上，要再轉移到敵人身上！





「你太天真了，你以為你這一套就能打倒我嗎？你太天真了，你以為你這一套就能打倒我嗎？你太天真了，你以為你這一套就能打倒我嗎？」



百鍊

甚麼幻魔
想給我他
媽的去死
吧！

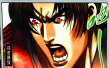


至於他，在刀劍雨中
成長，本已無比堅強。



「你這傢伙，
真是個怪物。」

「你這傢伙，
真是個怪物。」



「你這傢伙，
真是個怪物。」

一絲絲的恐懼，在黑暗中蔓延。他感到一種前所未有的恐懼，彷彿有一股無形的力量，正從四面八方，向他壓迫過來。他感到一種前所未有的恐懼，彷彿有一股無形的力量，正從四面八方，向他壓迫過來。



止戰令，永遠的和平，
已成為一種奢望。



（念咒）

（念咒）
（念咒）
（念咒）

（念咒）
（念咒）
（念咒）



（念咒）
（念咒）
（念咒）



（念咒）
（念咒）
（念咒）



（念咒）
（念咒）
（念咒）



（念咒）
（念咒）
（念咒）



啊！



人！怎麼
全都那麼
怕人了！



小，敵人的
小，敵人的
小，敵人的

敵人的
敵人的
敵人的



敵人的
敵人的
敵人的



敵人的
敵人的
敵人的



敵人的
敵人的
敵人的

敵人的
敵人的
敵人的



敵人的
敵人的
敵人的



敵人的
敵人的
敵人的

敵人的
敵人的
敵人的

为了朋友，为了
集合大家的力量，
这一战的胜负，
至关重要。



叶神！得



幻魔宫 0

幻魔宫的幻魔王座，
叶神已经坐了一盏茶点
时间了。他静静地等待着
叶神。他相信叶神一定会
来这里的。他相信叶神一定

天南了。他先的时间
叶神。他相信叶神一定会
来这里的。他相信叶神一定

幻魔王座
免了。





為免節外生枝，必需把這股力量清除。

稻葉山城幻魔滿佈仍未空群而出，顯然別有內情，箇中底蘊是否就是牠們所提及的暗黑儀式有關？……



把不自量力的甲由毀滅！



毀滅！！



從牠們的對話可知幻魔王即將便要在人間捲起一場惡戰，稻葉山城便是連接魔界的中央站！

再過數天，當妖
氣將整個山城侵
蝕後，暗黑儀式
亦可進行。

鬼體

不需多久，我們幻魔
一族便可進佔人間，
幻魔王你將成為世界
的最後統治者。

幻魔王？那不是
幻魔之首嗎？

但鬼體，我感到
有一股與我們對
抗的力量正衝着
這裡而來，要壞
我們的大事。



的體操運動
的體操運動
的體操運動



止面已
止面已
止面已



止面已
止面已
止面已



止面已
止面已
止面已



這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——

這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——



這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——



這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——



紫電玉

這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——

這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——



這股力量雖然強大，但畢竟是人工的，所以它也有它的弱點。——這就是它的弱點。——



此時，
雷斬刀
已完全
了變化。

雷斬刀已
完全了變
化。

雷斬刀已
完全了變
化。

同一股雷
電的力量，
就。

力量就是這
麼強大，一
瞬間，雷斬
刀就。

雷斬刀

斬刀!!

在本卷之前，主角曾以思
力，舉世通曉了雷斬刀的
力量。雷斬刀，是雷斬刀主
人的力量，和雷斬刀的思
力。雷斬刀，是雷斬刀主
人的力量，和雷斬刀的思
力。雷斬刀，是雷斬刀主
人的力量，和雷斬刀的思
力。

鋼鐵王下，鋼鐵的
軀體，鋼鐵的靈魂，
鋼鐵的意志，鋼鐵的
一切，鋼鐵的一切。

這件兵器，
是鋼鐵的
靈魂，是鋼鐵的
意志，是鋼鐵的
一切。

這件兵器，
是鋼鐵的
靈魂，是鋼鐵的
意志，是鋼鐵的
一切。



這件兵器，
是鋼鐵的
靈魂，是鋼鐵的
意志，是鋼鐵的
一切。

鋼鐵王下，鋼鐵的
軀體，鋼鐵的靈魂，
鋼鐵的意志，鋼鐵的
一切，鋼鐵的一切。

奧士力克

奧士力克

啊！你這怪
異蟲，十分
討厭哩！

[illegible]

豈有此理

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 5 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|---|





這只怪獸的攻擊力，
足以摧毀這座島嶼，
我們必須設法阻止它！

這只怪獸的攻擊力，
足以摧毀這座島嶼，
我們必須設法阻止它！

好容易

同一種的方式，
我們也可以利用它，
這可是個絕佳的機會！

這只怪獸的攻擊力，
足以摧毀這座島嶼，
我們必須設法阻止它！

可是！！

這只怪獸的攻擊力，
足以摧毀這座島嶼，
我們必須設法阻止它！

「這隻怪物，
就是傳說中的
「巨齒」……」

「是嗎？」

「這隻怪物，
就是傳說中的
「巨齒」……」

「這隻怪物，
就是傳說中的
「巨齒」……」

「這隻怪物，
就是傳說中的
「巨齒」……」

戰術殼

「這隻怪物，
就是傳說中的
「巨齒」……」





「你這傢伙，
居然敢用這招！」



「你這傢伙，
居然敢用這招！」



「你這傢伙，
居然敢用這招！」

「你這傢伙，
居然敢用這招！」

「你這傢伙，
居然敢用這招！」



「你這傢伙，
居然敢用這招！」



「你這傢伙，
居然敢用這招！」



「你這傢伙，
居然敢用這招！」





在馬力以第二形態的靈氣，對準了那隻魔獸，雷甲雷甲的雷鳴，雷甲雷甲的雷鳴。



「這股力量，
果然不同凡響。」



!!!

「這股力量，
果然不同凡響。」

「這股力量，
果然不同凡響。」



「這……是……
什麼……
情況……」

這是……
什麼……
情況……



這是……
什麼……
情況……

這是……
什麼……
情況……



這是……
什麼……
情況……



這是……
什麼……
情況……



雪姬公主!?

這……是……
什麼……
情況……



「你這傢伙，
居然敢對我出手！」

「你這傢伙，
居然敢對我出手！」

「你這傢伙，
居然敢對我出手！」

「你這傢伙，
居然敢對我出手！」



怎會不見了？



唔……這繩索……
怎麼會……
不見了？

？？

怎麼回事……
繩索不見了……



蛛

給我？



之……
這……
是……
什麼……
力量……

蛛



火

火

這……
是……
什麼……
力量……
怎麼……
會……
有……
這……
麼……
大……
的……
火……
焰……

這……
是……
什麼……
力量……
怎麼……
會……
有……
這……
麼……
大……
的……
火……
焰……

黑長崎的里
·玄關身的
頭頂開了一
道出口。一



痛楚讓寫真分
知這這得不
要嘛。他怎麼
這他媽的死神
就許死臨。

一代武聖。世上
最強刀客之一。唯
對其仇人。言不
辱於他。



無情無義
見一方。

「這是一間很古老的屋子，牆壁上的木板，都是幾百年前的老木料，所以，這間屋子，會有一股很濃的木香。」



「這是一間很古老的屋子，牆壁上的木板，都是幾百年前的老木料，所以，這間屋子，會有一股很濃的木香。」



100

100

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

呀！

Figure 6

鬼武者

VOL. 2

逢星期三出版

監修

許景琛

編輯

曹志豪 譚國光

統籌 / 編劇

李中興 (仲榮發展有限公司)

製作總監

張永康 (飛翼美術製作有限公司)

策劃 / 編劇

余詠良

美術主筆

陳偉文

製作監督

馬志強

封面美術

鄭炳傑

製作組長

邱以明

電腦美術

馮新豪 張立人

漫畫員

羅志仁 梁梓榮 羅國祥

麥華昌 莫家明 伍志傑

黃景偉

彩稿美術

趙博華 鄧偉國 周顯欣

專欄製作

許景琛 李中興 張永康

余詠良 許志豪 譚國光 曹志豪

CAPCOM正式授權香港中文版

天行社

出版

天行社出版有限公司
香港鰂魚涌華蘭路20號
華蘭中心1101室

分色

榮業(香港)有限公司
新界大埔工業邨
大貴街11至13號

承印

榮業(香港)有限公司
新界大埔工業邨
大貴街11至13號

代理

中原書報發行有限公司
九龍灣宏達街1號
啟悅工業中心2號地下

<http://www.comiconair.com>

2001年5月23日

Copyright © 2001 by Capcom Entertainment Co., Ltd.
All Rights Reserved. Published by Tien Hang Society.
天行社出版有限公司
香港鰂魚涌華蘭路20號
華蘭中心1101室

香港中文版漫畫版權所有

本刊物出版人天行社出版有限公司，
持有本刊物版權及其他有關權利。
本刊物內所有內容，均受國際公
約及香港法律保護。除事先經本公司
書面同意，否則任何形式之複製、
抄襲、翻印、公開發布、改編、
或翻譯本刊物內容，或將內容、
協助他人作上述行為，或將內容、
或將內容作上述行為，均屬違法，
將被檢控及追究法律責任。
本刊物銷售處，或向購買者不得用
或轉賣本刊物給第三方，除非先經
本公司同意。

光仔專欄

■看罷第1期鬼武者，不知是否分色還是印刷的問題，令整本漫畫的色調看上去有種很沉很暗的感覺，而整體分色也實在太濃了。可能有關方面想配合鬼武者的那份淒冷感覺。

■雖然今次我只是參與本刊的勾頭工作，但在個人而言，我還是喜歡清淡和自然的色調，會看得舒服貼。

■其實每次出書的時候，除了銷量，最令我擔心的部份，都是分色和印刷方面，因為這兩部份都不是我們所能控制的。要是出來的效果不理想，整本漫畫便有種前功盡廢的感覺，這樣說可能會誇張了一些，但卻也是個事實啊。



鬼武者出版前的兩天，連續失眠了兩晚，不知何解，今次對鬼武者的出版十分緊張！其實加入了天行社後，自己有份參予的新書已超過十本，有的更是重頭中的超級重頭！預定十期的鬼武者，理應可以更加輕鬆地面對，但真的不知為何，今次我卻十分十分的緊張！

可能太過緊張的關係，對鬼武者的要求亦相對提高，但當我拿着鬼武者的創刊號時，我和阿順同樣感到很多不滿！！

首先是特別版封面，明明是珍珠紙，出到嚟無厘頭變咗隻網紙！？雖然效果尚算o.k，但始終和原意有點出入，在此向各位讀者講句對不起！！

再看內文，吓，點解某部份黑線會灰晒㗎！？真激氣，希望分色的同事下次要加倍小心呀！！

對讀者來說，可能覺得問題不算太大，但對於我們有份製作鬼武者的人來說，這確實是一個不應出現在創刊的嚴重問題！！

除了這些我們控制不了的問題外，看畢創刊號整期故事，整體不過不失，但我和阿順同樣發覺旁白太多，對白太少，這個問題我們已作改善，之後會減少這個情況。還有，第一期差不多九成也跟GAME去故事，原創性雖不大，但對於沒有玩過此GAME的朋友可以更加清楚及明白這個故事。但我們做開GAME書的，當然知道照跟GAME寫一定死梗！故此除了第一期外，之後每期的故事大約會六成創作，四成跟GAME！而創作的部份我們亦當然不會亂嚟，保證全部都能夠夾晒GAME嘅感覺！！大家一定要對我哋有信心呀！！

不開心的說了便算，值得開心的是，創刊反應已算不俗！！據發行講第一日去書應有七成，過埋週末的話去書九成應無問題的！更開心的是已經有讀者致電追問迷你兵器幾時推出，真想不到他們會如此着緊鬼武者的兵器呢！兵器迷看過廣告後應該已知昆沙門劍將會於下期特別版送出，這把昆沙門劍的質素認真高到痺！不論雕工及上色都正到不得了！！〈原來兵器師傅都是鬼武者兵器的FANS，怪不得今次會咁鬼落力！！〉下星期三，記得攞定錢出嚟呀！！

雷斬刀

最終型態



策劃手記